#### Series SSO/1

Set 1

कोड नं. Code No.

58/1/1

रोल नं.				
Roll No.				

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 15 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 29 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- Please check that this question paper contains 15 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 29 questions.
- · Please write down the Serial Number of the question before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

## अर्थशास्त्र ECONOMICS

निर्धारित समय : 3 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 100

Time allowed: 3 hours ]

[ Maximum marks : 100

#### निर्देश:

- 1. दोनों खंडों के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- 2. प्रश्नों के अंक प्रत्येक प्रश्न के सामने दिए गए हैं।

[P.T.O.

- प्रश्न सं. 1-3 और 15-19 अतिलंघूत्तर प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। प्रत्येक का उत्तर एक वाक्य में देना जरूरी है।
- 4. प्रश्न सं. 4-8 और 20-22 लघूत्तर प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक के लिए 3 अंक निर्धारित हैं। सामान्यतया प्रत्येक का उत्तर 60 शब्दों से अधिक न हो।
- प्रश्न सं. 9-10 और 23-25 भी लघूत्तर प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक के उत्तर सामान्यतया 70 शब्दों से अधिक न हों।
- 6. प्रश्न सं. 11-14 और 26-29 दीर्घउत्तर प्रश्न हैं और उनमें प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। उनके प्रत्येक के उत्तर सामान्यतया 100 शब्दों से अधिक न हों।
- 7. उत्तर संक्षिप्त और विषयानुरूप हों तथा यथासंभव उत्तरों के लिए निर्धारित शब्द-सीमा का आवश्यक रूप से पालन किया जाए।

#### Instructions:

- 1. All questions in both the sections are compulsory.
- 2. Marks for questions are indicated against each question.
- 3. Question No. 1-3 and 15-19 are very short answer questions carrying 1 mark each. They are required to be answered in one sentence.
- 4. Question No. 4-8 and 20-22 are short answer questions carrying 3 marks each. Answers to them should not normally exceed 60 words each.
- 5. Question No. 9-10 and 23-25 are also short answer questions carrying 4 marks each. Answers to them should not normally exceed 70 words each.
- 6. Question No. 11-14 and 26-29 are long answer questions carrying 6 marks each. Answers to them should not normally exceed 100 words each.
- 7. Answer should be brief and to the point and the above word limit be adhered to as far as possible.

58/1/1

## खंड अ SECTION A

1.	बजट रखा का समाकरण दार्जिए।	1
	Give equation of Budget Line.	
2.	जब उपभोक्ता की आय गिरती है तो घटिया वस्तु के कीमत-माँग वक्र पर यह प्रभाव पड़ता	
	है : (सही विकल्प चुनिए)	1
	(a) दायीं ओर खिसकता है।	
	(b) बायीं ओर खिसकता है।	
	(c) माँग वक्र पर ऊपर की ओर चलन होता है।	
	(d) माँग वक्र पर नीचे की ओर चलन होता है।	
	When income of the consumer falls the impact on price-demand curve of	
	an inferior good is: (choose the correct alternative)	
	(a) Shifts to the right.  (b) Shifts to the left.	
	(b) Shifts to the left.	
	(c) There is upward movement along the curve.	
	(d) There is downward movement along the curve.	
3.	यदि सीमाँत प्रतिस्थापन दर निरंतर स्थिर रहे, तो अनिधमान वक्र : (सही विकल्प चुनिए)	1
	(a) x-अक्ष के समानांतर होगा।	
	(b) नीचे की ओर ढलवाँ अवतल होगा।	
	(c) नीचे की ओर ढलवाँ उत्तल होगा।	
	(d) नीचे की ओर ढलवाँ सीधी रेखा होगा।	

If Marginal Rate of Substitution is constant throughout, the Indifference curve will be: (choose the correct alternative)

- (a) Parallel to the x-axis.
- (b) Downward sloping concave.
- (c) Downward sloping convex.
- (d) Downward sloping straight line.
- 4. कारण बताते हुए निम्नलिखित तालिका पर आधारित उत्पादन संभावना वक्र के आकार पर टिप्पणी कीजिए:

वस्तु X (इकाई)	वस्तु Y (इकाई)
0	10
1	9 - 43
2	117
3	4 36
4	0_1

Giving reason comment on the shape of Production Possibilities curve based on the following schedule:

Good X (u	inits) Good Y (units)
0	0 10
1	9
2	7
3	4
4	0

5. हाल ही में शुरू किया गया 'स्वच्छ भारत अभियान' का अर्थव्यवस्था के उत्पादन संभावना वक्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा और क्यों?

#### अथवा

बड़ी मात्रा में विदेशी पूँजी के बाहर जाने पर अर्थव्यवस्था के उत्पादन संभावना वक्र पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है और क्यों ?

What will be the impact of recently launched 'Clean India Mission' (Swachh Bharat Mission) on the Production Possibilities curve of the economy and why?

#### Or

What will likely be the impact of large scale outflow of foreign capital on Production Possibilities curve of the economy and why?

- 6. एक सामान्य वस्तु की कीमत माँग लोच के साथ ऋण-चिह्न (minus sign) जुड़ा होता है जब कि कीमत पूर्ति लोच के साथ धन-चिह्न (plus sign) । समझाइए क्यों ?

  The measure of price elasticity of demand of a normal good carries minus sign while price elasticity of supply carries plus sign. Explain why?
- 7. एक पूर्ण प्रतियोगी बाजार में क्रेताओं की संख्या बहुत अधिक होती है। इस विशेषता का महत्व समझाइए।

There are large number of buyers in a perfectly competitive market. Explain the significance of this feature.

'उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण' के किसी वस्तु के बाजार पर पड़ने वाले प्रभाव समझाइए।
 रेखाचित्र का उपयोग कीजिए।

Explain the effects of 'maximum price ceiling' on the market of a good. Use diagram.

#### केवल दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 8 के स्थान पर।

कीमत सीमा से क्या अभिप्राय है ? अधिकतम कीमत सीमा निर्धारण के प्रभाव समझाइए।

3

3

58/1/1

[P.T.O.

For the blind candidates only in lieu of Q. No. 8.

What is price ceiling? Explain the effects of maximum price ceiling.

9. एक उपभोक्ता एक वस्तु पर जिसकी कीमत 8 रु. प्रति इकाई है 1000 रु. व्यय करता है। जब कीमत में 25 प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है तो भी वह वस्तु पर 1000 रु. ही व्यय करता है। प्रतिशत विधि द्वारा कीमत-माँग लोच ज्ञात कीजिए।

4

A consumer spends Rs. 1000 on a good priced at Rs. 8 per unit. When price rises by 25 per cent, the consumer continues to spend Rs. 1000 on the good. Calculate price elasticity of demand by percentage method.

10. लागत की परिभाषा दीजिए। सीमाँत लागत और औसत परिवर्ती लागत के बीच संबंध बताइए।

4

#### अथवा

संप्राप्ति (आगम) की परिभाषा दीजिए। सीमाँत संप्राप्ति और औसत संप्राप्ति के बीच संबंध बताइए।

Define cost. State the relation between marginal cost and average variable cost.

Or

Define revenue. State the relation between marginal revenue and average revenue.

11. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X और Y का उपयोग करता है। दोनों की बाजार कीमत 3 रु. प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता इन दो वस्तुओं के ऐसे संयोग का चुनाव करता है जिसकी सीमाँत प्रतिस्थापन दर 3 है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है? कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा? समझाइए।

#### अथवा

एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X और Y का उपभोग करता है जिनकी कीमत क्रमशः 4 रु. और 5 रु. प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता दोनों वस्तुओं का ऐसा संयोग चुनता है जिसमें X की सीमाँत उपयोगिता 5 और Y की सीमाँत उपयोगिता 4 है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है? कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा? उपयोगिता विश्लेषण का उपयोग कीजिए।

A consumer consumes only two goods X and Y both priced at Rs. 3 per unit. If the consumer chooses a combination of these two goods with Marginal Rate of Substitution equal to 3, is the consumer in equilibrium? Give reasons. What will a rational consumer do in this situation? Explain.

#### Or

A consumer consumes only two goods X and Y whose prices are Rs. 4 and Rs. 5 per unit respectively. If the consumer chooses a combination of the two goods with marginal utility of X equal to 5 and that of Y equal to 4, is the consumer in equilibrium? Give reasons. What will a rational consumer do in this situation? Use utility analysis.

12. परिवर्ती अनुपातों के नियम में कुल उत्पाद और सीमाँत उत्पाद में होने वाले परिवर्तनों के विभिन्न चरण बताइए। इन्हें एक ही रेखाचित्र में भी दिखाइए।

State the different phases of changes in Total Product and Marginal Product in the Law of Variable Proportions. Also show the same in a single diagram.

केवल दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 12 के स्थान पर।

एक संख्यात्मक उदाहरण के आधार पर परिवर्ती अनुपातों के नियम में कुल उत्पाद और सीमाँत उत्पाद में होने वाले विभिन्न चरण बताइए।

6

For the blind candidates in lieu of Q. No. 12 only.

State, on the basis of a numerical example, different phases of changes in Total Product and Marginal Product in the Law of Variable Proportions.

13. क्यों किसी फर्म की संतुलन की स्थिति के लिए सीमाँत लागत और सीमाँत संप्राप्ति (आगम) में समानता आवश्यक है? क्या यह संतुलन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त है? समझाइए।

Why is the equality between marginal cost and marginal revenue necessary for a firm to be in equilibrium? Is it sufficient to ensure equilibrium? Explain.

14. एक वस्तु का बाजार संतुलन में है। इस वस्तु की माँग में 'वृद्धि' हो जाती है। इस परिवर्तन के कारण होने वाले प्रभावों की शृंखला समझाइए।

Market for a good is in equilibrium. The demand for the good 'increases'. Explain the chain of effects of this change.

#### खंड ब SECTION B

8

15. समष्टि अर्थशास्त्र में 'समग्र आपूर्ति' से क्या अभिप्राय है ?

What is 'aggregate supply' in macroeconomics?

58/1/1

16. गुणक का मूल्य यह होता है: (सही विकल्प चुनिए)



- (a) 1 सीमाँत उपभोग प्रवृत्ति
- (b) 1 सीमाँत बचत प्रवृत्ति
- (c)  $\frac{1}{1-$  सीमाँत बचत प्रवृत्ति
- (d)  $\frac{1}{\text{सीमाँत उपभोग प्रवृत्ति }-1}$

The value of multiplier is: (choose the correct alternative)

- (a)  $\frac{1}{MPC}$
- (b)  $\frac{1}{MPS}$
- (c)  $\frac{1}{1-MPS}$
- (d)  $\frac{1}{MPC-1}$



17. सरकारी बजट में ऋण से अभिप्राय: (सही विकल्प चुनिए)

1

- (a) राजस्व घाटा
- (b) राजकोषीय घाटा
- (c) प्राथमिक घाटा
- (d) करों में घाटा

Borrowing in government budget is: (choose the correct alternative)

- (a) Revenue deficit
- (b) Fiscal deficit
- (c) Primary deficit
- (d) Deficit in taxes

निम्नलिखित में गैर-कर राजस्व यह है: (सही विकल्प चुनिए) (a) निर्यात शुल्क (b) आयात शुल्क (c) लाभाँश (d) उत्पादन श्र्ल्क The non-tax revenue in the following is: (choose the correct alternative) (a) Export duty (b) Import duty (c) Dividends (d) Excise 19. अन्य बातें पूर्ववत् रहने पर, यदि किसी देश में विदेशी मुद्रा की कीमत बढ़ती है तो इससे राष्ट्रीय आय: (सही विकल्प चुनिए) (a) में वृद्धि की संभावना होती है (b) गिरने की संभावना होती है (c) वृद्धि होने और गिरने दोनों संभावनाएँ होती हैं (d) पर कोई प्रभाव नहीं होता Other things remaining unchanged, when in a country the price of foreign currency rises, national income is : (choose the correct alternative) (a) Likely to rise (b) Likely to fall

(c) Likely to rise and fall both

(d) Not affected

20.	यदि वास्तविक सकल देशीय उत्पाद 200 रु. है और कीमत सूचकाँक (आधार=100)	
	110 है, मौद्रिक सकल देशीय उत्पाद का परिकलन कीजिए।	3
	If Real GDP is Rs. 200 and Price Index (with base = 100) is 110, calculate Nominal GDP.	
21.	लेनदेन के उन विस्तृत वर्गों के नाम बताइए जिनको भुगतान संतुलन लेखा के 'पूँजी लेखा'	
	में दर्ज किया जाता है।	3
	अथवा	
	लेनदेन के उन विस्तृत वर्गों के नाम बताइए जिनको भुगतान संतुलन लेखा के 'चालू लेखा'	4 9
	में दर्ज किया जाता है।	
	Name the broad categories of transactions recorded in the 'capital account' of the Balance of Payments Accounts.	
	Or Or	
	Name the broad categories of transactions recorded in the 'current account' of the Balance of Payments Accounts.	
22.	विदेशों को मशीन बेचना भुगतान संतुलन खाते में कहाँ दर्ज किया जाएगा? कारण	
	बताइए।	3
	Where will sale of machinery to abroad be recorded in the Balance of Payments Accounts? Give reasons.	
23.	केन्द्रीय बैंक का 'जारीकर्ता बैंक' कार्य समझाइए।	4
	अथवा	
	केन्द्रीय बैंक का 'सरकार का बैंक' कार्य समझाइए।	
	Explain the 'bank of issue' function of the central bank.	

58/1/1

Or

Explain 'Government's Bank' function of central bank.

24. हाल ही में भारत सरकार ने 'जन-धन योजना' प्रारम्भ की जिसका उद्देश्य है कि प्रत्येक परिवार का कम से कम एक बैंक खाता हो। समझाइए कि इस योजना के अंतर्गत की गयी जमाएँ देश की राष्ट्रीय आय को कैसे प्रभावित करेंगी।

Government of India has recently launched 'Jan-Dhan Yojna' aimed at every household in the country to have at least one bank account. Explain how deposits made under the plan are going to affect national income of the country.

25. एक अर्थव्यवस्था संतुलन में है। निम्नलिखित से राष्ट्रीय आय का परिकलन कीजिए:

स्वायत्त उपभोग = 100

सीमाँत बचत प्रवृत्ति = 0.2

निवेश व्यय = 200

An economy is in equilibrium. Calculate national income from the following:

Autonomous consumption = 100

Marginal propensity to save = 0.2

Investment expenditure = 200

- 26. कारण बताते हुए समझाइए कि राष्ट्रीय आय का मापन करने में निम्नलिखित के साथ क्या व्यवहार किया जाना चाहिए:
  - (i) फर्म द्वारा चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट को फीस देने पर व्यय
  - (ii) फर्म द्वारा निगम कर का भुगतान
  - (iii) फर्म द्वारा स्वयं उपयोग के लिए फ्रीज का क्रय

58/1/1

Giving reason explain how should the following be treated in estimation of national income:

- (i) Expenditure by a firm on payment of fees to a chartered accountant
- (ii) Payment of corporate tax by a firm
- (iii) Purchase of refrigerator by a firm for own use
- 27. स्फीतिकारी अंतर की अवधारणा समझाइए। इसको कम करने में पुनर्खरीद दर (Repo Rate) की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

#### अथवा

अपस्फीतिकारी अंतर की अवधारणा समझाइए और इसे कम करने में 'खुले बाजार के कार्यकलापों' की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

Explain the concept of Inflationary Gap. Explain the role of Repo Rate in reducing this gap.

#### Or

Explain the concept of Deflationary Gap and the role of 'Open Market Operations' in reducing this gap.

28. बजट के माध्यम से संसाधनों के आवंटन को प्रभावित करने में सरकार की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

Explain the role the government can play through the budget in influencing allocation of resources.

6

### 29. राष्ट्रीय आय और वैयक्तिक प्रयोज्य आय का परिकलन कीजिए:

	and the second	(करोड़ रु.)
(i)	वैयक्तिक कर	80
(ii)	निजी अंतिम उपभोग व्यय	600
(iii)	अवितरित लाभ	30
(iv)	निजी आय	650
(v)	सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	100
(vi)	निगम कर	50
(vii)	निवल देशीय अचल पूँजी निर्माण	70
(viii)	निवल अप्रत्यक्ष कर	60
(ix)	मूल्य हास	14
(x)	स्टॉक में परिवर्तन	(-) 10
(xi)	निवल आयात	20
(xii)	विदेशों को निवल कारक आय	10

58/1/1

#### Calculate National Income and Personal Disposable Income:

		(Rs. crores)
(i)	Personal tax	80
(ii)	Private final consumption expenditure	600
(iii)	Undistributed profits	30
(iv)	Private income	650
(v)	Government final consumption expenditure	100
(vi)	Corporate tax	50
(vii)	Net domestic fixed capital formation	70
(viii)	Net indirect tax	60
(ix)	Depreciation	14
(x)	Change in stocks	(-) 10
(xi)	Net imports	20
(xii)	Net factor income to abroad	10

58/1/1 15

# SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION MARCH-2015

# MARKING SCHEME – ECONOMICS (DELHI) (SET -I)

#### **Expected Answers / Value Points**

#### **GENERAL INSTRUCTIONS:**

- Please examine each part of a question carefully and then allocate the marks allotted for the part as given in the marking scheme below. TOTAL MARKS FOR ANY ANSWER MAY BE PUT IN A CIRCLE ON THE LEFT SIDE WHERE THE ANSWER ENDS.
- **2.** Expected suggested answers have been given in the Marking Scheme. To evaluate the answers the value points indicated in the marking scheme be followed.
- **3.** For questions asking the candidate to explain or define, the detailed explanation and definition have been indicated alongwith the value points.
- **4.** For mere arithmetical errors, there should be minimal deduction. Only ½ mark be deducted for such an error.
- 5. Wherever only two / three or a "given" number of examples / factors / points are expected only the first two / three or expected number should be read. The rest are irrelevant and must not be examined.
- 6. There should be no effort at "moderation" of the marks by the evaluating teachers. The actual total marks obtained by the candidate may be of no concern to the evaluators.
- 7. Higher order thinking ability questions are assessing student's understanding / analytical ability.

General Note: In case of numerical question no mark is to be given if only the final answer is given.

A1	Expected Answer / Value Points	Distribution of Marks
1	$p_1 x_1 + p_2 x_2 = m$	1
2	(a) Shifts to the right.	1
3	(d) Downward sloping straight line	1

4	Good X	Good Y	MRT		
	(Units)	(Units)			
	0	10	-		
	1	9	1Y:1X		
	2	7	2Y:1X		
	3	4	3Y:1X		1½
	4	0	4Y:1X		1½
	Since MRT is origin.	increasing,	the PP	curve is downward sloping and Concave to the	1/2
				(Diagram not required)	
5	health. This	in turn will us raise cou	reduce f	people falling ill and, thus can ensure better forced absenteeism from work, raise efficiency roduction potential. Rise in this potential shifts  (Diagram not required)  OR	3
	and thus pi	roduction p	otential	apital from the economy will reduce resources of the country will fall. Fall in production -Curve downwards.  (Diagram not required)	3
				(Linguistania)	
6	inverse relame measure of	tion betwe price el <mark>ast</mark>	en price	of demand has a minus sign because there is and demand of a normal good, while the supply has plus sign because there is directly of a good.	3
7	market is so market price	large that a on its own	any indiv by purcl	number of buyers in a perfectly competitive idual buyer is not in a position to influence the hasing more or less. It is because the individual nather market is insignificant.	3
8		Price	P P	S SHORTAGE B Ceiling D X	1
	good by the equilibrium PA (Or OQ <sub>1</sub> )	governmen price is OP <sub>1</sub> while cons	it. For ex . At this umers de	o imposition of upper limit on the price of a sample, in the diagram OP is price ceiling while price the producers are willing to supply only emand PB (Or $OQ_2$ ). The effect of the ceiling is $Q_2$ ), is created, which may further lead to black	2

	QB505 Question Built Bojtware	I
	For blind Candidates Only:  Price ceiling means putting the upper limit by the government on the price that can be charged by the producers of a good from the buyers.  Maximum price ceiling, is lower than equilibrium price, leads to rise in demand	1
	and fall in supply. This creates shortage of the good in the market. This may lead to black marketing.	2
9	Price         Exp.         Demand           8         1000         125           10         1000         100	1½
	$E_p = \frac{P}{Q} \times \frac{\Delta Q}{\Delta P}$ $= \frac{8}{125} \times \frac{-25}{2}$	1
		1
	= -0.8	1/2
10	Cost in economics refers to the sum of actual money expenditure on inputs and the imputed expenditure in the form of inputs supplied by the owners including normal profit.	1
	If MC < AVC , then AVC falls If MC = AVC, then AVC is constant	3
	If MC > AVC, then AVC rises (Diagram not required)  OR	
	Revenue in Economics refers to the market value of output produced <b>Or</b> receipts from sale of output produced.	1
	If MR > AR, AR rises  If MR = AR, AR is constant  If MR < AR, AR Falls. (Diagram not required)	3
11	Given Px = 3, Py = 3 and MRS = 3, A consumer is said to be in equilibrium when	
	MRS = $\frac{P_x}{P_y}$	
	Substituting values we find that	
	$3 > \frac{3}{3}$	
	i.e. MRS > $\frac{P_x}{P_y}$	
	Therefore consumer is not in equilibrium.	
	MRS > $\frac{P_X}{P_V}$ means that consumer is willing to pay more for one more unit of X as	3
	compared to what market demands.	
	- The consumer will buy more units of X. - As a result MRS will fall due to the Law of Diminishing Marginal Utility - This will continue till MRS = $\frac{P_x}{P_y}$ and consumer is in equilibrium	
	(Diagram not required)	3

	<u> QB365 - Question Bank Software</u>	
	OR	
	Given $P_x=4$ , $P_y=5$ and $MU_x=5$ , $MU_y=4$ ,a consumer will be in equilibrium when	
	$\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$	
	Substituting values, we find that $5   4   MU_{Y}   MU_{Y}$	3
	$\frac{5}{4} > \frac{4}{5}$ Or $\frac{MU_x}{P_x} > \frac{MU_y}{P_y}$ Since per rupee $MU_x$ is higher than per rupee $MU_y$ , consumer is not in	
	equilibrium. The consumer will buy more of X and less of Y. As a result $MU_x$ will fall and	_
	$MU_y$ will rise. The reaction will continue till $\frac{MU_x}{P_x}$ and $\frac{MU_y}{P_y}$ are equal and	3
	consumer is in equilibrium.	
12	The Phases are:  Phase: I TP rises at increasing rate i.e. upto A in diagram.  MP rises i.e. upto 'a'  Phase: II TP rises at decreasing rate i.e. between A and B. MP falls and remains positive between 'a' and 'b'.	
	Phase: III TP falls i.e. after B. MP falls and is negative i.e. after 'b'	1x3
	TP B TP PRase II PRase III	
	MP  Phase II Phase III  Phase III   Variable  Input  Variable  Input	3
	(Diagram on single axis is also correct)	

	Variable input	TP	MP		
	(Units)	(Units)	(Units)		
	1	6	6		
	2	20	14	_	
	3	32	12	Or any other	3
	4	40	8	relevant numerical	J
	5	40	0	example	
	6	37	-3		
	Phases:				
	(2) TP increases to 5 units.	at decreasin	g rate and MP	rises upto 2 units. Falls but remains positive from 3 of 6 unit onwards.	3
.3	The producer's equ	ilibrium cond	ditions are : (i)	MC = MR and (ii) MC > MR	
	after equilibrium.			15 16	
	more or less deper <u>Suppose MC &lt; MR</u> . MC = MR. MC= MR is not a s	nding upon r It will be pr ufficient cond	elative changoritable for the distinct of the	es in MC and MR till MC = MR. ne producer to produce more till re equilibrium. Given MC = MR,	3
	more or less deper <u>Suppose MC &lt; MR</u> . MC = MR. MC= MR is not a s	nding upon r It will be pr ufficient cond our of MC an	elative changoritable for the distinct of the	es in MC and MR till MC = MR. ne producer to produce more till	3
	more or less dependence of Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not a souppose the behavior of MC becomes less that the same in this case it in this case thought	nding upon r It will be pr ufficient concour of MC an nan MR. will be profin MC = MR to output MC	elative change ofitable for the dition to ensu d MR is such t table for the f he producer is becomes grea	es in MC and MR till MC = MR. ne producer to produce more till  tre equilibrium. Given MC = MR, that if one more unit is produced.  firm to produce more. Therefore, s not in equilibrium. However, if eater than MR, it will be most	3
	more or less dependence of less dependence of less dependence of Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not a solution of the suppose the behavior of the suppose of the behavior of the suppose of the s	nding upon r It will be pr ufficient concour of MC an nan MR. will be profin MC = MR to output MC	elative change ofitable for the dition to ensu d MR is such t table for the f he producer is becomes grea	es in MC and MR till MC = MR. ne producer to produce more till  tre equilibrium. Given MC = MR, that if one more unit is produced.  firm to produce more. Therefore, s not in equilibrium. However, if eater than MR, it will be most	
.4	more or less dependence of less dependence of less dependence of Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not a solution suppose the behavior of MC becomes less that the less than the le	nding upon r It will be pr ufficient condour of MC and MR. will be profin MC = MR to butput MC I he firm to profin	elative change ofitable for the dition to ensu- d MR is such to table for the for he producer is becomes great oduce only up	es in MC and MR till MC = MR. ne producer to produce more till  tre equilibrium. Given MC = MR, that if one more unit is produced.  Firm to produce more. Therefore, s not in equilibrium. However, if exter than MR, it will be most to MC = MR.	
4	more or less deper Suppose MC < MR. MC = MR. MC = MR is not a s suppose the behavi MC becomes less the Then in this case it in this case though after MC = MR of advantageous for the suppose of the supp	nding upon r It will be pr ufficient concour of MC an nan MR. will be profit n MC = MR th output MC I he firm to pro	elative change of the dition to ensure distributed to ensure the first table for table for the first table for table for table for the first table	es in MC and MR till MC = MR. he producer to produce more till  are equilibrium. Given MC = MR, hat if one more unit is produced.  Firm to produce more. Therefore, s not in equilibrium. However, if heter than MR, it will be most to MC = MR.  (Diagram not required)	
.4	more or less dependence Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not as suppose the behavior MC becomes less that the in this case it in this case though after MC = MR of advantageous for the suppose of	ufficient condour of MC and MR. will be profin MC = MR to bottom to profin to profin the firm to profin demand inconchanged, exception of the profin the firm to profin the firm the firm to profin the firm to profin the firm to profin the firm to profin the firm the firm the firm the firm the firm to profin the firm	elative change of table for the dition to ensure distributed by the producer is becomes greated and certain table for the frequency of the produce only up the produce	es in MC and MR till MC = MR.  ne producer to produce more till  are equilibrium. Given MC = MR,  that if one more unit is produced.  Firm to produce more. Therefore,  s not in equilibrium. However, if  ater than MR, it will be most  to MC = MR.  (Diagram not required)	
.4	more or less dependence Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not as suppose the behavior MC becomes less that the intervence is in this case it in this case though after MC = MR or advantageous for the intervence of the interv	ufficient condour of MC and MR. will be profin MC = MR to be firm to profin the firm to p	reases.  cess demand enginering buyers cause	es in MC and MR till MC = MR.  ne producer to produce more till  are equilibrium. Given MC = MR,  that if one more unit is produced.  Firm to produce more. Therefore,  s not in equilibrium. However, if  ater than MR, it will be most  to MC = MR.  (Diagram not required)	
.4	more or less dependence Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not as suppose the behavior MC becomes less that the in this case it in this case thought after MC = MR of advantageous for the interval of the	ufficient condour of MC and MR. will be profin MC = MR to be firm to profin the firm to p	reases.  cess demand enginering buyers cause	es in MC and MR till MC = MR.  ne producer to produce more till  are equilibrium. Given MC = MR,  that if one more unit is produced.  Firm to produce more. Therefore,  s not in equilibrium. However, if  ater than MR, it will be most  to MC = MR.  (Diagram not required)  emerges.  Sing price to rise.	
4	more or less dependence Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not as suppose the behavior MC becomes less that the interpolar inter	ufficient condour of MC and MR. will be profin MC = MR to be the firm to profin the firm	relative change of table for the table for the factor is becomes greated access demand eaction) in dem	es in MC and MR till MC = MR.  ne producer to produce more till  are equilibrium. Given MC = MR,  that if one more unit is produced.  Firm to produce more. Therefore,  s not in equilibrium. However, if  ater than MR, it will be most  to MC = MR.  (Diagram not required)  emerges.  sing price to rise.  and and rise (expansion) in	3
.4	more or less dependence Suppose MC < MR.  MC = MR.  MC = MR is not as suppose the behavior MC becomes less that the interpolar inter	ufficient condour of MC and MR. will be profin MC = MR to be the firm to profin the firm	relative change of table for the table for the factor is becomes greated access demand eaction) in dem	es in MC and MR till MC = MR.  ne producer to produce more till  are equilibrium. Given MC = MR,  that if one more unit is produced.  Firm to produce more. Therefore,  s not in equilibrium. However, if  ater than MR, it will be most  to MC = MR.  (Diagram not required)  emerges.  Sing price to rise.	

	SECTION - B	
15	Aggregate supply is the value of total quantity of final goods and services planned to be produced in an economy during a period.	1
16	(b) $\frac{1}{MPS}$	1
17	(b) Fiscal deficit	1
18	(c) Dividends	1
19	(a) Likely to rise	1
20	$Real GDP = \frac{Nominal GDP}{Price Index} \times 100$	1½
	$200 = \frac{Nominal\ GDP}{110} \times 100$	1
	$Nominal\ GDP = \frac{200 \times 110}{100} = 220$	1/2
	(No marks if only the final answer is given)	
21	<ul> <li>(1) Borrowings from and to abroad</li> <li>(2) Investments from and to abroad.</li> <li>(3) Decreases and increases in foreign exchange reserves.</li> <li>OR</li> <li>(1) Exports and imports of goods</li> <li>(2) Exports and imports of services</li> </ul>	1x3
	(1) Exports and imports of goods (2) Exports and imports of services (3) Factor income receipts from abroad and payments to abroad. (4) Transfers from and to abroad. (Any Three)	1x3
22	Sale of machinery to abroad is export of goods and thus recorded in the Current Account.	1½
	Sale of machinery to abroad brings in foreign exchange and thus recorded on the credit side.	1½
	(No marks if the reasons are not given)	
23	The central bank is the sole authority for the issue of currency in the country. It promotes efficiency in the financial system. Firstly, because it leads to uniformity in the issue of currency, Secondly, because it gives Central Bank control over money supply.	4
	OR	
	The Central Bank acts as a banker to the government. The central bank accepts receipts and makes payments for the government and carries out exchange, remittance and other normal banking operations for the government. The central bank manages public debt and also lends to government.	4
	(To be marked as a whole)	

	<u>QB303 Question Bunk Bojeware</u>	1
24	<ul> <li>Opening more bank accounts means more bank deposits.</li> <li>More deposits means increase in the lending capacity of the commercial banks.</li> <li>More lending by banks means more investment in the country.</li> <li>More investment means more national income.</li> </ul>	4
25	$Y = \bar{C} + MPC(Y) + I$	1½
	Y = 100 + (1 - 0.2)Y + 200	2
	$ \begin{array}{c} 0.2Y = 300 \\ Y = 1500 \end{array} $	1/2
	(No marks if only the final answer is given)	
26	(i) Payment of fees to chartered accountant by a firm is intermediate cost	2
	to the firm and, therefore not included.  (ii) Payment of corporate tax by a firm is a transfer payment and thus not	2
	included.  (iii) Purchase of a refrigerator by a firm for own use is investment expenditure and thus included.  (No marks if reason is not given)	2
27	<u>The Inflationary Gap</u> is the amount by which the aggregate demand exceeds aggregate supply at the full employment level. It is called inflationary because it leads to rise in price level.	2
	Repo Rate is the rate of interest at which central bank lends to commercial banks for a short period. When central bank raises Repo Rate, the borrowings by the commercial banks become costly. This forces the commercial banks to raise their lending rates. People borrow less, and therefore spend less. This helps in reducing inflationary gap.	4
	(Diagram not required)	
	OR	
	<u>Deflationary Gap</u> is the amount by which the aggregate demand falls short of aggregate supply at the full employment level. It is called deflationary because it leads to a fall in price level. (Diagram not required)	2
	Open Market Operations refer to buying and selling of government securities by the central bank in the open market. Central bank can reduce deflationary gap by buying securities. Those who sell receive payments by cheques from the central bank. The money flows out from Central bank into the commercial	
	banks. This raises lending capacity of commercial banks. Banks lend more. Spending rises which reduces deflationary gap.	4
28	Government can influence allocation of resources by influencing market mechanism through taxes, subsidies and direct participation in production. Heavy taxes can be imposed on production units engaged in producing harmful products like liquor, cigarettes etc. Tax concessions and subsidies can be given to encourage production of products useful for the masses. Government can directly produce goods and services normally ignored by the private sector due to lack of enough profits.	6
1	(To be marked as a whole)	

29	N.I. = ii + v + (vii + x) - xi - viii - xii	1½
	= 600 + 100 + 70 + (-10) - 20 - 60 - 10	1
	= Rs. 670 Crore.	1/2
	PDI = iv - vi - iii - i	1½
	=650-50-30-80	1
	= <i>Rs</i> . 490 Crore	1/2
	(No marks if only the final answer is given)	



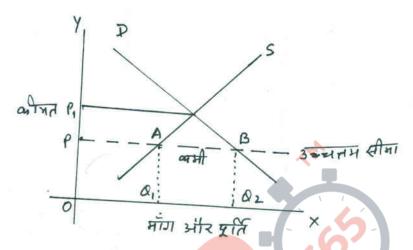
	0 0	
1.	P1x1 + P2 x2 = 4m	
2.	(a) दार्थी और खिसबता है।	1
3	(d) नीचे की ओर दलवां सीधी रेखा होगा।	1
4	वस्तु X वस्तु Y सी.रूपान्तरण दर	
	0 10	
	1 9 1y:  x	
	2 7 24:1×	
	3 4 3y 51x	
	4 0 47:18	12
	संभावना वक् नीचे की और दलवां अनतल हार्गी।	14
5.	स्वच्छता विशारी को दूर करती है और स्वस्थ जीवन	
٥.	न में । उपने काप से अनिपरिकार्य करण	-
	1 4 विकास वदती है अरि देश की उत्पादन	r
	श्निमता बद्ती है। अतः उत्पादन सिमावना वक् दाधा	3
	उनार रिवरनवा जाएगा	
	बड़ी प्रात्रा में विदेशी पूँजी के बाहर जाने से संसाधन	-
	कार पार्म और देश बी उत्पादन भामता गिर जाएग	11
	इसेस उत्पादन संभावना वक् नीचे की अगर खिसव	3
	जाएगी। (रेखाचित्र की शावश्यवता नहीं है।)	
6	सामान्य बस्तु की कामत और मांग में विपरीत	
	कार के बारण मांग की कीमत लीच	
	के प्राप में नरणाटमवा चिन्ह होता है जनिक वर् पूर्ति की की मत लोच के प्राप में द्यानाटमवा चिन्ह होता	
4	नियों के वस्तु की स्ति की मत और पूर्ति में	
1	न्यम सम्बन्ध होता है।	3

7

इस विशेषता था प्रद्रत्व यह है कि ओई भी एक क़ता र-वर्ष वाजार की पत को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं होता क्यों कि वस्तु की कुल स्वरीद में उसका हिस्सा नगण्य होता है।

3

8.



सरवार द्वारा किसी वस्तु की की मत पर उच्चतम मीपा लंगाना ही उच्चतम की मत सीमा निर्धारण के हलाता है। उदाहरण के लिए रेखाचित्र में ०० व्यक्तम की मत सीमा है और ०० संसुलन की मत है। इस की मत या उत्पादक РА (का ००) मात्रा सप्लाई करना चाहते हैं। इस उच्चत्तम की मत सीमा रवरीदना चाहते हैं। इस उच्चत्तम की मत सीमा निर्धारण से वस्तु की सप्लाई AB (८,०) वम हो गई। ऐसी खियात में व्याला बाजारी हो सकती है। इस्रीहीन परिभार्थिकों के लिए:

2

उपमोक्ता से जो की जत एक बस्तु के उत्पाद्व लेखनते हैं। उस पर सरकार द्वारा एक मधिकतम सीमा लगाने को उच्चतम की जत सीमा निर्धारण कहते हैं। उच्चतम की जत सीमा संतुलन की जत से कम होती है। इसालिए माँग बद, जाती है और पृति कम हो जाती है। इसाले काला नाजारी हो सकती है।

2

9.	कीमत व्यय मांग	
	8 1000 125	12
	$E_P = \frac{P}{Q} \times \frac{\Delta Q}{\Delta P}$	1
	$=\frac{8}{125}\times\frac{-25}{2}$	1 1/2
10	= -0.8 अर्घ शास्त्र में आगतां पर किए गए व्यप, मालिक अर्घ शास्त्र में आगतां पर किए गए व्यप, मालिक व्या प्रांत की गई आगत स्वामां पर अन्ति निर्देत हैं। व्या और सामान्य काम के योग को लोगत करते हैं। व्याय और सामान्य काम के योग को लोगत तो औ.प.ला. घरें यो स्ति प.लागत रिर्व	1
比.	भाद सी , लागत = उना , प. लागत तो औ , प. लाग न दे भी भाद सी लागत ७ औं , प. लागत तो औ , प. लाग न दे भी (रेच्याचित्र की नारस्त मही हैं) अध्या अध्या अध्या भूष्य को अर्घशास्त्र में संप्राप्ति कहते हैं।	3
	गा उत्पादन के असन मिला की मंत्रापि नदेंगी ग्रीदे सी संप्रापि = औं संप्रापि तो औं संप्रापि स्थिर रहेंगी ग्रीदे सी संप्रापि = औं संप्रापि तो औं संप्रापि खिर रहेंगी ग्रीदे सी संप्रापि < औं संप्रापि तो औं संप्रापि घटेंगी (रेरवाचित्र जरूरी नहीं हैं)	3

11.

की. = की. = 3 और सी. मीतस्थापन दर=3 उपभोक्ता, संतुलन में होता है तन सी. प. दर = की.x

दिए हुए प्रत्यां के आधार पा उपजाता संतुलान की रियान में नहीं है; सी, प, रर ने की प्र क्यों की 3 > 3 वि प प्र रर के का जाता के अनुपात से अधिक होने की अर्थ है कि उपजाता के अनुपात से अधिक होने की अर्थ है कि उपजाता का जार की तुलाना × वर्स्तु की हक और इकाई के लिए अधिक देने को तियार उपजाता प्र की का जार अर्थ के कारण सी. इसमान सीमान्त उपयोगिता नियम के कारण सी. इसमान सीमान्त उपयोगिता नियम के कारण सी. प्रतिस्थापन पर सर्भी धर्म का मी अर्थ यह की मतो प्रतिस्थापन पर सर्भी धर्म का मी अर्थ यह की मतो की अनुपात के करावर हो जारगी अर्थ यह की मतो कि अनुपात के करावर हो जारगी उपयोग्ता संतुलन की स्थान में पहुंच प्रारम्भा संतुलन की स्थान में पर्यंच प्रारम्भा संतुलन की स्थान स्

बीजत x = 4 बीजता के सी 3.x = 5 सी 3.x = 4

उपभाक्ता के सितुन्त की स्थिति में सी 3.x = की 3. Y

उपभाक्ता के सितुन्त की स्थिति में सी 3.x = की 3. Y

दिए हुए मुल्यों के आधार पर उपभाक्ता सितुलन की

स्थिति में नहीं है क्यों कि 5 7 प्राति सी 3x 7 की 7

रक्षे और कसी 3. 7 प्रश्ने और का सी 3 प्र की बाज मात्रा स्वरीयता
उपभाक्ता X की मी अत सी 3 प्र सी अत सात्रा स्वरीयता

शुक्त कर देगा | इस्ते प्रालम्बद्ध सी 3.x हारेगी और

शुक्त कर देगा | इस्ते प्रालम्बद्ध सी 3.x हारेगी और

सी 3. Y बेटेगी | उपभोक्ता की यह प्रतिक्रिया उस सात्रय

सी 3. Y बेटेगी | उपभोक्ता की यह प्रतिक्रिया उस सात्रय

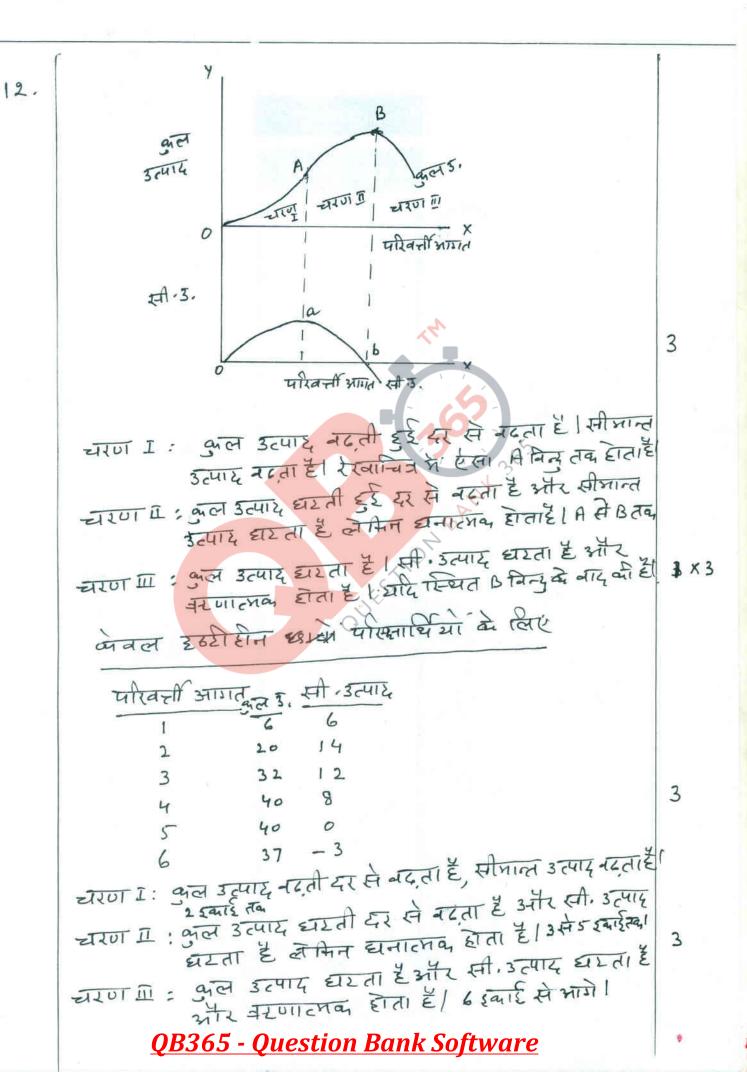
सी 3. Y बेटेगी | सी 3.x और सी 3. Y बराबर न ही जाए।

इसका बराबर होने पर उपभोक्ता सितुलन की

3

3

3



13

उत्पाद्य के संतुलन की को शर्ते हैं:

(i) सीमान्त लागत = सीमान्त संप्राप्ति और

(ii) संत्लान के बाद सी लागत > सी संप्राप्ति मान लीजिए सी. ला. > सी संप्राहि ! ऐसी स्थिति में सीमान्त लागत औरनत सीमान्त संपानि में सोपियिव परिवर्तनां के अनुसार उत्पादन में परिवर्तन व्यर्गा लाभपुद होगा। ये परिवर्तन तन तव किए जाएंगे जनत्व सी-ला, और सीमानत संपातिबराबर्न हो जाए। सीमान्त लागत यदि सीमान्त संबाधि से वम है तो उत्पाद्य के लिए उत्पादन नद्रामा लाभ प्रदे हागा विह तन तक उटपायन नदाएगा जन तक सी-ला-अंदिसी. उत्पादय के संतुलन के लिए सीमान्त और सीमान्त संप्राप्ति बराबर् न हो जाएँ। संपाम की समानता पर्याप शर्त नहीं है। प्रान लीजिए सीमान्त लागत और तिमान्त संपादिका व्यवसार इस प्रवार का है कि एवं अर्थेर हवाहि का उत्पादन करने पर सीमान्त जागत सीमान्त संसीत से कम हो जाती है। श्य स्थि।ते में धर्म के तिए उत्पादन वढ़ाना लाभपुर होगा। अतः सी-ता. भीर सी. र्सपानि की समानता संवुलन की स्पिति सुनिश्चित नहीं करती। लेकिन यदिउत्पादन के खिले स्तर्पर सीमानत लागत और सीमान्त स्पामि बराबर है कि सका बाद उत्पादन नदाने पर सीमान्त लागत सीमान्त संप्राप्ति से उनाधिक है तो उत्पादक के लिए उत्ना उत्पादन करना सबसे आधन लामप्य होगा जिस पर सी. ला और सी, मं पारि बराबर है।

		27
14.	संतुलन की स्थिति है अत्र मांग में बृद्धि हाती है।	
	कीमत अपरिवर्तित रहने पर माँग प्राधिक्य की स्थिति	
	हो जाएमी।	
	इससे कृताकों में प्रतियोगिता होगी और की मत	
	वद जाएजी।	
	की पत वृद्धि से मांग घटनी और पूर्ति नदेगी	
	क्षेत्रत तन तक नद्मी जन तक की नाजार म सदला	6
	व्या स्थिति नहीं हो जाती!	9,
	THE STATE OF THE S	
	ZaU3 Z	
	क्रियं आने	
15	अर्घन्यवस्था में एक निर्चत अवाध में किए जाने	
	वाले अन्तिम वस्तुमां और सेवामा के प्रकाशित	1
	उत्पादन के मूल्य को समग्र पूर्ति वाहते हैं।	
16	क्षा नाम हारा	1
	सी , बचत प्रश्रीत	
	A SILVE	1
	(8) 2101-21-11-1	
	(८) लामारा	1
18		,
19	(व) में वृद्धि की संभावना हाती है।	1
1 1	मार्थिय स. दशीय उटपाद	
20.	वास्तविक स, देशीय उत्पाद = नामिक स, देशीय उत्पाद X100	12
	मा देशीय इत्यर	
	200 = माहिक सा देशीय डतार ×100	ι
	भा दिया स दे उटपाद = 200×110 = 220	2
	100	

21.	मूंजी ख्रीत लेखां में दर्ज मिए जाने वाले लेन देन के विस्तृतकां:	
	(1) विदेशों से अर्थर विदेशों को उधार	
	० १ । ५ मिल हा तिवरी	1×3
	(3) विद्रशी मुद्रा पाराश्चत निर्धि म श्रीद्र आर्थ	1/2
	गाल लेखा में दर्ज मिर्मानी जाने वाल लेने देन के विस्तृत वर्गाः	
	न्य नियति और आयात	
	2 1 277 311210	
		1×3
	(4) विदेशा से और विदेशां की स्तातरण (कोई तीन)	1/\2
	विदेशों को मशीन बेचना वस्तु का निर्धात है और इसे चालू	1 4
22.	विदेशों की मशीन बेचना वस्तु की साम विदेशी विनिष्य लेखा में दर्ज किया जाता है। इससे विदेशी विनिष्य	14
	जरमा में दर्ज किया जाता है। इसमान करें। प्रांता है।	2_
	प्राप्ता र ।	
1 2	देश में करेंसी जारी करने का अनिधकार केवल केन्द्रीय	
23	वैश में बारे जी जारी वार्न का आश्रवार पाली में व्यश्निता बद्री वैंद्र को का होता है। इससे किलीय प्रणाली में व्यश्निता बद्री	
	वैंव को हाता है। इससे वित्तीय प्राप्ती है उनीर	3
	मुत्रा प्रति वर व्यक्तिय मैंवा का नियंत्रण है। माता है।	
	वान्द्राय मंद्र सरकार के मंद्र के रूप में कार्य करता है।	
	यह सरवार के लिए प्राप्तिया स्वीकार करता है और	
	मुगतान बरता है। यह सरकार के लिए विनिषय संबंधी,	
	पुरातान करता है। यह सरकार कार्य करता है। यह प्रवा और अन्य सामान्य वैभिंग कार्य करता है। यह	
	प्रवण और अत्य सामान्य व मिर्रा व्याप को नरण वार्वानिक नरण का प्रवंधन व्याता है और सबकार को नरण	3
	भी दता है।	

24	अधिक जनाओं से वाणित्यों में को की गरण देने की मामक्री गर जाती है। मामक्री गर जाती है। मामक्री गरा जाधिक गरा मिला में से देश में श्रीधक निवश	
	हाता है। हाता है। आध्य निवंश से राहरीय आय नदती है। अध्य निवंश से राहरीय आय नदती है।	4 1 <sup>L</sup> <sub>2</sub> 2
25	रा. आध = स्वायत रा. आघ = 100 + (1-0.2)(रा. आघ) + 200 रा. आघ = 300 रा. आघ = 300 × 10 रा. आघ = 300 × 10 व्यदि केवल आन्ति प उत्तर दिया है तो कोई अंक न दें)	1/2
26.	ता कर्म द्वारा चार्टेड अवा उन्टेर को कास का राह्मीय	2
	हैं शामिल महा का का भूजीतान है हस्तातरण पुराता। हैं इस्रालिए इसे राठरीय स्राय हैं शामिल नहीं किया जाता।	2
	(iii) प्या स्वयं उपन्नोग के लिए र्वश्वा गर्मा स्वयं उपन्नोग के लिए र्वश्वा भया है राणिल किया निवेश व्यय है इसलिए रिने राहद्रीय आय है राणिल किया जाता है।	

17

स्कातिवारी अंतर : , समगु मांग सूर्ण राजागर स्तर पर स्माम पूर्ति से अरिधव हाती है तो इस अन्तर को म्पातिकारी अंतर कहते हैं। पुनर्वरीद दर वह ब्याज दर है जिस पर बेन्द्रीय मैंब ब्यूम भवाध के लिए वाणिज्य वेंकों को ऋण देता है। जन बेन्द्रीय वैव पुनर्बरीद स बढ़ाता है तो वाणिज्य मेंकों को व्यन्द्रीय वैंव से ग्रण लेना महँगा हो जाता है। इस कारण वह अपनी न्याज या भी बदा देते हैं जिससे बेंबा से बरण लेना महारा हो जाता है। अतः लोग व्यम अरण लेते हैं और अल व्यय वाम हो जाता है। इससे स्प्रातिबारी अन्तराल वाम हो जाता है।

3

By

2

372141

अपस्पितिकारी अंतर: अन अविधनस्था में समग्र मांग पूर्ण राजगार के स्तर पर यम प्रति से कप होती है तो इस अंतर को अपस्मितियारी अंतर ared El

खुले माजार के कार्यवालाप : केन्द्रीय नेव दारा रवृत्ये वाजार में सरवारी प्रतिभूतिमां वेह स्वरीदनेह व बेचनें रेवले गाजार के कार्यक लाप कहते हैं। केन्द्रीय मेंक गाजार से सरकारी प्रतिश्विशे स्वीर्वर अपस्मितिवारी अत्तर को कम कर सकता है। जो इन पित्रातियां को नचते हैं उन्हें कान्त्रीय नेंक चेंक मारा पुगतान वारता है। ये चैवा वाणिज्य वैवा ने जना वाराए जाते हैं। इससे मैंको अरण देने का साम्राध्य बढ़ जाती है, में के आधिक त्राण देते हैं। रवर्चा वह जाता है और अमस्मितिबारी Medica QB365 - Question Bank Software

सरकार संसाधनों के आवर्त को करों, आर्थिक 28 सहायता , और रन्वयं उत्पादन वरके प्रशक्ति कर सकती है। शरान, सिगरेट जैसी हानीवाख्य वरन्तुओं का उत्पादन वाने वाली उत्पादन इवार्ड्यों पर अधिव वर लगा सवाती है। जनता के लिए बस्नुमों के उत्पादन की पात्माहित वाने के लिए करों में रिघायत और आर्थिव सहायता दे सवाती है। एसी वस्तुमां भीर संवाक्तां वा स्वयं उत्पादन वार सवाती है जिनसे पर्याप व्याभ न मिलने के कारण निजी में ज उनका उत्पादन नहीं वारता। राध्येय आय = "+ v + (v"+x) - x i - v"ii - x ii 14 = 600 + 100 + 70 + (-10) -20 - 60 - 10 29 = 670 aitis ti. वैयक्तिक प्रयाज्य साघ = (iv) - (vi) -(iii) -(i) 14 = 650-50-30-80 1/2

= 490 wills to.